एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

फाल्गुन विक्रम संवत 2083 | बरेली | रविवार, 7 जून 2026.



# एसआरएमएस में किया गया रीजन का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट

कार्यालय संवाददाता, बरेली

**अमृत विचार :** राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रुहेलखंड और कुमायूं रीजन का पहला बोन मैरो ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें एक वर्ष से ज्यादा समय से मल्टीपल मायलोमा (एक प्रकार ब्लड कैंसर) की वजह से पीठ दर्द से परेशान बनबसा (उत्तराखंड) निवासी 47 वर्षीय कमला को तकलीफ से निजात मिली। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज लखनऊ और दिल्ली के बीच पहला संस्थान बन गया है जहां मरीजों के लिए यह सुविधा उपलब्ध है।

एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में एसआरएमएसर ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति ने बताया कि बढ़ती हुई बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए बोन मैरो ट्रांसप्लांट सुविधा आरंभ की गई है। अन्य चार लोग भी बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ.पियूष अग्रवाल ने एसआरएमएस में थैलेसेमिया के लिए भी बोन मैरो आपरेशन सुविधा शुरू होने की जानकारी दी। प्रेस कांफ्रेंस का संचालन एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति ने किया। प्रिंसिपल एयर मार्शल (सेवानिवृत्त) डॉ.एमएस बुटोला, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ.आरपी सिंह, क्लीनिकल हेमेटोलॉजिस्ट डॉ.दिशा सत्या, मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट डा.श्रीनिवास अनादि नायडू व अन्य मौजूद रहे।

जानकारी देते एसआरएमएस के चेयरमैन देव मूर्ति। ● अमृत विचार